

भारत 4×400 मीटर मिश्रित रिले फाइनल में

ग्लासगो, 31 जुलाई भारत ने सबसे तेज़ गैर-स्वचालित क्वालीफायर के रूप में आगे बढ़ते हुए 4×400 मीटर मिश्रित रिले फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की. विशाल टीके, अनसा बाबू, राजेश रमेशा और रशदीप कौर की चौकड़ी 3:20.98 सेकेंड के समय के साथ हीट 2 में चौथे और कुल मिलाकर सातवें स्थान पर रही, जो फाइनल में प्रवेश करने के लिए पर्याप्त साबित हुआ.

भारत ने भारोत्तोलन में एक स्वर्ण सहित कुल आठ पदक जीते

भारतीय भारोत्तोलकों ने ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेल 2026 को एक स्वर्ण सहित आठ पदकों के साथ समाप्त किया, जिसमें लवप्रीत सिंह ने गुरुवार को पुरुषों के 110 किग्रा भारोत्तोलन वर्ग में रजत पदक के साथ अभियान का समापन किया. एसईसी आर्माडिलो में ग्लासगो 2026 भारोत्तोलन प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन, लवप्रीत, जिन्होंने बर्मिंघम 2022 में 109 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था, ने 388 किग्रा (176 किग्रा स्नैच 212 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाकर अपना दूसरा राष्ट्रमंडल खेल पदक जीता. 28 वर्षीय लवप्रीत एक किलोग्राम से स्वर्ण पदक से चूक गए, जबकि न्यूजीलैंड के डेविड लिटी 389 किलोग्राम (166 किलोग्राम 223 किलोग्राम) के खेलों के रिकॉर्ड अंक के साथ पोल्डियम पर शीर्ष पर रहे. लवप्रीत सिंह स्नैच सेक्शन के बाद शीर्ष चरण की ओर बढ़ रहे थे. 168 किग्रा से शुरुआत करने के बाद, उन्होंने अपना स्कोर 173 किग्रा और फिर 176 किग्रा – एक नया गेम्स रिकॉर्ड स्नैच – में सुधार किया और क्लीन एंड जर्क भाग



में 10 किग्रा की भारी बढ़त हासिल की. हालाँकि, डेविड लिटी ने 207 किग्रा वजन उठाकर और फिर 223 किग्रा वजन उठाकर इस कमी को पूरा करने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. लवप्रीत ने अपने पहले दो प्रयासों में सफलतापूर्वक 205 किग्रा और 212 किग्रा वजन उठाया, लेकिन अपने अंतिम प्रयास में 217 किग्रा वजन नहीं उठा सके, जिससे लिटी की स्वर्ण पदक मिला, जो गोल्ड कोस्ट 2018 में हैवीवेट पुरुष चैंपियन और बर्मिंघम 2022 में रजत पदक विजेता थे. इंग्लैंड के एंड्रयू ग्रिफिथ्स ने कुल 356 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता. इससे पहले दिन में, मार्टिना देवी मैबाम महिलाओं के 86 किग्रा वर्ग में कुल 245 किग्रा (105 किग्रा स्नैच 140 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाकर पांचवें स्थान पर रहीं. भारतीय भारोत्तोलक जल्दी बाहर होने की ओर अग्रसर दिख रही थी क्योंकि वह 103 किग्रा में अपने पहले दो स्नैच प्रयासों में विफल रही थी. हालाँकि, वह अपने अंतिम प्रयास में सफलतापूर्वक 105 किग्रा उठाकर प्रतियोगिता में जीवित रहीं.

अस्मिता डे राष्ट्रमंडल खेल के सेमीफाइनल में

ग्लासगो. भारत की अस्मिता डे ने शुक्रवार को जुझे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है. वहीं रोहित बसीर मजगुल और हर्ष सिंह ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए पुरुष वर्ग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया. आज यहां भारत की अस्मिता डे स्कॉटलैंड की ईवा इविंग को जल्दी ही 'इप्पोन' से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची. रोहित बसीर मजगुल ने जुझे में पुरुषों के –66 किग्रा भार वर्ग के मुकाबले में सिएरा मोजाम्बिक के सैमुअल रिबेरो को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है. यह जीत जुझे में भारत की लगातार तीसरी जीत है. हर्ष सिंह ने राउंड ऑफ 16 में कैन्या के चिकोडी काथेवारा को इप्पोन से हराकर पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. यह भारतीय जुड़ोका आज बाद में क्वार्टर फाइनल में वानुअतु के एलन मोंथुएल का सामना करने के लिए मेट पर उतरेंगे.

रोहित बसीर मजगुल जुझे के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

भारत के रोहित बसीर मजगुल ने जुझे में पुरुषों के –66 किग्रा भार वर्ग के मुकाबले में सिएरा मोजाम्बिक के सैमुअल रिबेरो को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है. आज यहां मिली यह जीत जुझे में भारत की लगातार तीसरी जीत है. रोहित बसीर मजगुल का राष्ट्रमंडल तक का सफर बेहद दिलचस्प है. वह गुजरात के सिद्धी समुदाय से आते हैं और उन्होंने अब तक अपनी जिंदगी में बहुत मुश्किलों का सामना किया है. रोहित बताते हैं, 'जब मैं कहता हूँ कि मैं भारतीय हूँ तो कोई मुझ पर यकीन नहीं करता. उन्हें लगता है कि मैं अफ्रीकी हूँ, वे मुझे अलग-अलग भेद नामों से बुलाते हैं, वे मुझे चिढ़ाते हैं. मुझे मेरे रंग की वजह से बस से भी निकाल दिया गया है, लेकिन मैं वृषचाप सब कुछ सहता हूँ क्योंकि मैं स्पोर्ट्स में अच्छा करना चाहता हूँ और अपनी पहचान बनाना चाहता हूँ.' उन्होंने वचपन में स्कूल छोड़ दिया था, लेकिन एक जुड़ोका के तौर पर उनकी कामयाबियों ने उनकी प्रोफाइल को और बढ़ा दिया है.

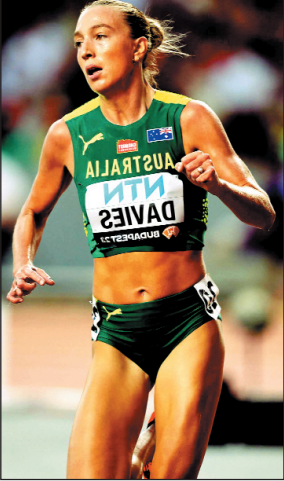


प्रीति पवार फ़ाइनल में पहुंचीं, भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का किया

प्रीति पवार शुक्रवार को महिलाओं के 54किग्रा सेमीफाइनल में जाम्बिया की कैथरीन म्वापो को 5-0 से हराकर फ़ाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय बॉक्सर बनीं. इस जीत से प्रीति का कम से कम सिल्वर मेडल पक्का हो गया और रिंग में व्यस्त दिन के लिए भारत को शानदार शुरुआत मिली. आज रिंग में उतरने वाले 10 भारतीय बॉक्सरों में वह पहली थीं; ये सभी अपने-अपने वेट कैटेगरी के फ़ाइनल में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं.

रोज डेविस ने 5000 मीटर दौड़ जीती

पारुल का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन 15:04.26 था, जो एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है, लेकिन इससे उन्हें सिर्फ 12वीं पोजीशन मिला. पुरुषों के शॉर्ट पुट इवेंट में, अपना पहला राष्ट्रमंडल खेल पदक जीतने की तैजिंदरपाल सिंह तूर की कोशिश भी निराशा में खत्म हुई; वह 20.27 मीटर के अपने सबसे अच्छे प्रयास (जो उनकी तीसरी कोशिश में आया) के साथ पांचवें स्थान पर रहे. शॉर्ट पुट में नेशनल रिकॉर्ड रखने वाले भारतीय खिलाड़ी ने अपनी छह कोशिशों में तीन बार 20 मीटर का मार्क पार किया – अपनी रैकिंग वाली कोशिश के अलावा, पहली कोशिश में 20.06 मीटर और छठी कोशिश में 20.26 मीटर का श्रे किया. समरदीप सिंह गिल 20.03 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रहे. नाइजीरिया के चुवुएयुका एनेकवेची ने 21.07 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता.



हर्ष पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फ़ाइनल में

हर्ष सिंह ने राउंड ऑफ 16 में कैन्या के चिकोडी काथेवारा को इप्पोन से हराकर पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. यह भारतीय जुड़ोका आज बाद में क्वार्टर फ़ाइनल में वानुअतु के एलन मोंथुएल का सामना करने के लिए मेट पर उतरेंगे.

भारत ने फ़ॉकलैंड आइलैंड्स को हराया

ग्लासगो. शानदार फॉर्म में चल रही भारत के नवनीत सिंह और दिनेश कुमार जोड़ी ने बॉल्स के पुरुष युगल वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फ़ॉकलैंड आइलैंड्स के इयान बार्नस और ओलिवर थॉमसन को 2-0 से हराया और अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा. भारतीय जोड़ी पहला सेट 6-3 से और दूसरा सेट 10-1 से जीता. नवनीत और दिनेश ने अपने चारों मैच जीते हैं. शनिवार को ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मैच में उनका सामना इंग्लैंड से होगा और सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए यह एक तरह से नॉकआउट मुकाबला होगा. केवल ग्रुप विजेता ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करते हैं और भारत और इंग्लैंड दोनों ने अब तक अपने चारों मैच जीते हैं.

एक नजर में श्रीलंका की महिला टीम ने पाक को हराया



दांबुला. इमेशा दुलानी (नाबाद 101) शानदार शतकीय पारी की बदौलत श्रीलंका की महिला टीम ने शुक्रवार को पहले टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को छह गेंदें शेष रहते छह विकेट से शिकस्त दी. इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है. आज यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया. बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 176 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया. शवाल जुल्फिकार ने सर्वाधिक (61) रनों की पारी खेली. कप्तान मुनीबा अली ने (42), इमन नसीर (21), आयशा जफर ने (17) और सायरा जबीन ने (13) रनों का योगदान दिया. श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहासी ने दो विकेट लिये. काव्या कविदी, सुशोभिका कुमारी और चामुदी प्रबोद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया. इसके बाद 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की महिला टीम ने 19 ओवरों में चार विकेट पर 177 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया.

काशी रुद्रास की जर्सी का अनावरण

वाराणसी. दो बार की यूपीटी-20 लीग चैंपियन काशी रुद्रास ने शुक्रवार को आगामी सीजन के लिए अपनी नई जर्सी का आधिकारिक अनावरण किया. इस अवसर पर टीम ने शहर की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और अपने प्रशंसकों से जुड़े भावनात्मक संबंधों को रेखांकित करते हुए नए अभियान की शुरुआत की. भगवान शिव से प्रेरित नई जर्सी टीम की पहचान और मूल्यों को दर्शाती है. जर्सी का नीला रंग भगवान शिव की शांति का प्रतीक है, जो धैर्य, स्पष्टता और दबाव में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की क्षमता का संदेश देता है. वहीं नारंगी रंग भगवान शिव की प्रचंड ऊर्जा का प्रतीक है, जो साहस, आक्रामकता और निडरता को अभिव्यक्त करता है. जर्सी पर उकेरी गई कॉस्मिक डिजाइन भगवान शिव को 'गुरु ऑफ द यूनिवर्स' के रूप में सम्मानित करती है और असीम महत्वाकांक्षा का संदेश देती है, जबकि मंडला पैटर्न संतुलन, एकता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है. जर्सी लॉन्च से पहले कप्तान करण शर्मा और मुख्य कोच ध्रुव सिंह के नेतृत्व में टीम ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ के निदेशक जावेद अख्तर तथा टीम प्रबंधन के अधिकारियों के साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया.



ब्राजील की फुटबॉल टीम खेलेगी मैत्री मेच



ब्रासीलिया. ब्राज़ील फुटबॉल महासंघ ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम 2026 फीफा विश्व कप के बाद पहले अंतरराष्ट्रीय अवकाश में भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ मैत्री मेच खेलेगी. महासंघ ने बताया कि राष्ट्रीय टीम 25 और 29 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के साथ खेलेंगे और फिर तीन अक्टूबर को भारत का सामना करेंगे.ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला मैच टाउन्सविले के क्वींसलैंड कट्टी बैक स्टेडियम में होगा, जिसके चार दिन बाद वे ब्रिस्बेन में सनकोर्प स्टेडियम में सैंकरूस के साथ एक और मुकाबले के लिए रवाना होंगे. ऑस्ट्रेलिया में अपने दो मैच खेलने के बाद, ब्राज़ील की टीम भारत के कोलकाता के लिए उड़ान भरेगी, जहां वे तीन अक्टूबर को साल्ट लेक स्टेडियम में पहली बार भारत का सामना करेंगे. भारत, जहां ब्राज़ील के प्रशंसकों की एक बड़ी संख्या रहती है, ने इससे पहले 1977 में पेले की मेजबानी की थी जब उनकी न्यूयॉर्क कॉसमोस टीम ने कोलकाता के ईडेन गार्डन में मोहन बागान के खिलाफ मैच खेला था.

भारतीय एथलीट स्वप्ना बर्मन ने की संन्यास की घोषणा

नयी दिल्ली. एशियाई खेलों में कंबाईड इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट स्वप्ना बर्मन ने शुक्रवार को एथलेटिक्स से संन्यास की घोषणा की.

29 वर्षीय स्वप्ना, जिन्होंने जकार्ता 2018 एशियाई खेलों में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था और जो पूर्व कॉन्टिनेंटल चैंपियन भी हैं, ने कहा कि लगातार चोटों के कारण उन्हें यह फैसला लेना पड़ा. बर्मन ने अपने संन्यास संदेश में कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में, मुझे कई चोटों का सामना करना पड़ा है, जिसमें स्लिप्ड डिस्क



और घुटने की चोटें शामिल हैं. मैंने दर्द से लड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन अब मेरा शरीर वैसा साथ नहीं दे रहा है जैसा पहले देता था. यह मेरे जीवन के सबसे कठिन फैसलों में से एक है.

आज से रॉयल एनफील्ड चैलेंजर्स कप लेह में

लेह, 31 जुलाई. पहले रॉयल एनफील्ड चैलेंजर्स कप का आगाज़ कल लेह के नवागं दोर्जे स्टोबदान स्टेडियम में होगा. छह दिवसीय इस टूर्नामेंट में लद्दाख और स्पीति की उभरती आइस हॉकी प्रतिभाएं भारतीय सेना की आइस हॉकी टीम और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की केंद्रीय आइस हॉकी टीम के साथ मुकाबला करेंगी.

प्रतियोगिता में कुल पांच टीमों राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी, जिनमें से शीर्ष दो टीमों 6 अगस्त को होने वाले फाइनल में जगह बनाएंगी. रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन के तहत आयोजित यह टूर्नामेंट हिमालयी क्षेत्र में आइस हॉकी को

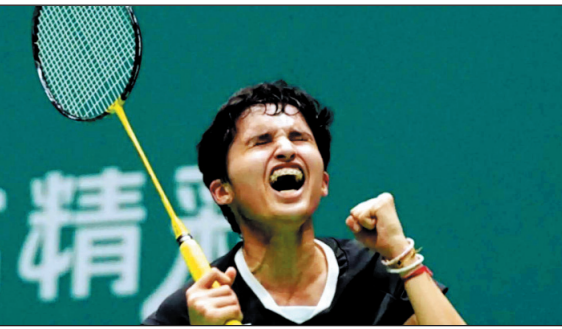


मजबूत करने की दिशा में रॉयल एनफील्ड की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का एक और महत्वपूर्ण कदम है. उभरते खिलाड़ियों को बेहतर प्रतिस्पर्धी अवसर उपलब्ध कराना है. एक नए प्रतिस्पर्धी मंच के

उन्नति, तन्वी ताइपे ओपन के सेमीफाइनल में

ताइपे, 31 जुलाई. भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन कर अपने-अपने मुकाबलों में दर्ज करते हुए ताइपे ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है.

मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा ने आठवें नंबर की वरीयता प्राप्त देविका सिहाग के खिलाफ ऑल-इंडियन क्वार्टर-फ़ाइनल में जीत हासिल की. उन्होंने ताइपे एरिना में 42 मिनट तक चले मुकाबले में सिहाग को 23-21, 21-16 से हराया तन्वी शर्मा ने भी कड़ी मशकत के बाद उन्नति के साथ अंतिम चार में जगह बनाई.



मैच के बीच में लड़खड़ाने के बावजूद, उन्होंने थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त सुपनिदा काटेथोंग को 54 मिनट तक चले मुकाबले में 21-15, 18-21, 21-14 से हराया. बैडमिंटन रैंकिंग में 28वें स्थान पर मौजूद उन्नति के लिए यह

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर 2026 में पहला सेमीफाइनल होगा. दिलचस्प बात यह है कि इस सीजन में अपने पिछले सभी वर्ल्ड टूर मैचों में यह भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी शुरुआती दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थीं.

उन्नति हुड्डा का मुकाबला वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त ग्रुयेन थुई लिन्ह से होगा, जबकि बिना वरीयता वाली तन्वी शर्मा का मुकाबला पाँचवीं वरीयता प्राप्त और घरेलू खिलाड़ी हुआंग यू-हसुन से होगा. हुआंग यू-हसुन ने क्वार्टर-फ़ाइनल में अपनी ही देश की दूसरी वरीयता प्राप्त लिन हिंसयांग-टी को हराकर उलटफेर किया; लिन ने इससे पहले के राउंड में अश्मिता चालिहा और अनमोल खरब को बाहर किया था. उन्नति और तन्वी, दोनों ही 2026 एशियाई खेलों के लिए भारत की टीम का हिस्सा हैं.

भारतीय पुरुष टीम ने जीता ब्रॉन्ज़ मेडल

ऑटारियो, 31 जुलाई वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीता जो उसका लगातार दूसरा ब्रॉन्ज़ मेडल था. महिला टीम को कोई मेडल नहीं मिला.

गुरुवार को कनाडा के ऑटारियो में नियाग्रा-ऑन-द-लेक के व्हाइट ओक्स रिज़ॉर्ट में खेले गए वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर टीम चैंपियनशिप 2026 के सेमीफाइनल में अमेरिका को से 2-0 से हारने के बाद भारतीय पुरुष टीम ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीता. यह पहली बार था जब भारतीय पुरुष टीम ने वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर टीम चैंपियनशिप में लगातार पोल्डियम फिनिश (टॉप 3 में जगह) हासिल



की. पिछले साल काहिरा में हुए टूर्नामेंट में, भारतीय पुरुष टीम ने ब्रॉन्ज़ मेडल जीतकर 13 साल का मेडल का सूखा खत्म किया था. 2026 चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में आर्यवीर दीवान, युशा नफ़ीस, गुरवीर सिंह और पूर्व रंभिया शामिल थे.

सेमीफाइनल में दूसरी सीड

वाली अमेरिकी टीम का सामना करते हुए, पांचवीं सीड वाली भारत की टीम को गुरवीर सिंह ने अच्छी शुरुआत दिलाई. उन्होंने ब्रेंडन टैगिलियारिनी के खिलाफ पहला गेम जीता, लेकिन बाद में अमेरिकी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए मैच 3-2 (7-11, 11-9, 11-6, 7-11, 11-3) से जीत लिया.

विश्व कप

24 साल बाद फिर अफ्रीका लौट रही वनडे विश्व कप की मेजबानी

2027 वनडे के लिए 12 शहरों को मिली मेजबानी

दुबई, 31 जुलाई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 पुरुष वनडे विश्व कप के लिए 12 मेजबान शहरों की आधिकारिक घोषणा कर दी है.

आईसीसी के अनुसार 24 साल बाद वनडे विश्व कप की मेजबानी एक बार फिर अफ्रीका लौट रही है. इस बार टूर्नामेंट की मेजबानी संयुक्त रूप से दक्षिण अफ्रीका , जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे. दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग, सेंचुरियन, डरबन, कबेबु, कुगोम्पो सिटी,



केपटाउन, वाल और ब्लोमफोंटेन में कुल 54 मुकाबलों का अधिकांश हिस्सा खेला जाएगा. वहीं, फाइनल मुकाबला

जोहान्सबर्ग के वांडर्स या केपटाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर आयोजित किया जाएगा. जिम्बाब्वे के हरारे, बुलाबायो और विक्टोरिया फ़ॉल्स में 7 से 10 मैच खेले जाएंगे, जबकि नामीबिया की राजधानी विंडहोक को कम-से-कम तीन मुकाबलों की मेजबानी मिलेगी. आईसीसी द्वारा घोषित मेजबान शहरों में विक्टोरिया फ़ॉल्स इकलौता नया नाम है. 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला ये नया स्टेडियम इसी साल के अंत तक तैयार होने की उम्मीद है.

दक्षिण अफ्रीका के बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम को अभ्यास मैचों के लिए चुना गया है. साथ ही, सभावना है कि ये दोनों शहर नामीबिया के साथ मिलकर विश्व कप क्वालीफायर की भी मेजबानी करेंगे. यह क्वालीफायर अगले साल की शुरुआत में प्रस्तावित है, जब दक्षिण अफ्रीका के छह प्रमुख मैदान--वांडर्स, सुपरस्पॉर्ट पार्क, न्यूलैंड्स, किंग्समीड, सेंट जॉर्ज पार्क और बोलैंड पार्क--एसए 20 लीग के कारण व्यस्त रहेंगे. वहीं, नामीबिया पहली बार किसी सीनियर आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा. इससे पहले उसने इसी साल जिम्बाब्वे के साथ मिलकर पुरुष अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी की थी. 2027 पुरुष वनडे विश्व कप का आयोजन चार अक्टूबर से 21 नवंबर 2027 के बीच प्रस्तावित है.

इसके बाद घरेलू क्रिकेट मुकाबले खेले जाएंगे और 2027 की पहली तिमाही में

अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ इस स्टेडियम का औपचारिक उद्घाटन होने की संभावना है.